नोट:- सिकन्दर की मृत्यु बाद के सेनापति सेल्यूकस और एण्टीगोनस में युद्ध हुआ जो इप्सस नामक स्थान पर हुआ। अन्त में सेल्यूकस की विजय हुई॥

सेल्यूकस से युद्ध → (3)

सिकन्दर की मृत्यु के पश्चात बेबीलोन का राज्य सेल्यूकस को प्राप्त हुआ। वह भी सिकन्दर के समान भारत विजय का स्वप्न देख रहा था। अतः उसने 305 ई० पू० में भारत पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में उसका सामना चन्द्रगुप्त मौर्य से हुआ। इस युद्ध में सेल्यूकस को पराजित कर संधि के लिए मजबूर किया। दोनों के बीच संधि हो गई। इस संधि के अनुसार सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त मौर्य को कन्धार, काबुल, हेरात, और बलूचिस्तान के कुछ भाग उपहार स्वरूप दे दिए। इसके बदले में चन्द्रगुप्त ने 500 हाथी दिये। दोनों के बीच मैत्री भाव स्थापित हो गया। साथ ही इस मित्रता को दृढ़ करने के लिए सेल्यूकस ने अपनी पुत्री का विवाह चन्द्रगुप्त से कर दिया। तथा उसने अपने एक राजदूत मेगास्थनीज को चन्द्रगुप्त के दरबार में भेजा। इस संधि के फलस्वरूप चन्द्रगुप्त के साम्राज्य की सीमा विस्तृत हो गई। उसका राज्य पश्चिम में हेरात, काबुल, कन्धार से लेकर पूर्व में कामरूप तक और उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में मैसूर तक फैल गया।